>

Title: Regarding grant of compensation by Insurance companies to farmers for their crops loss by rainfall and hailstorm in Ganganagar Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री निहाल चन्द चौहान (गंगानगर): सभापति जी, आपने मुझे बोलने के लिए टाइम दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा । …(व्यवधान)

सभापति जी, 22 तारीख को राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में एक बहुत बड़ा तूफान आया है । राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर में बहुत बड़ा तूफान आया है, जिससे किसान की सारी फसलें नष्ट हो गई हैं । राजस्थान प्रदेश में मेरा जिला कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां गेहूं, चावल, चना, गन्ना और कपास की पैदावार होती है । देश के खाद्यान संपन्न क्षेत्र में श्रीगंगानगर अपना नाम प्रगति की ओर रखता है । किसान पूरी लगन के साथ मेहनत-मजदूरी करते हैं, लेकिन जब उन्हें फल मिलने का इंतजार होता है, तो सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों को प्राकृतिक आपदा से दो-चार होना पड़ता है । उनका बहुत बड़ा नुकसान हुआ है ।

22 मार्च को जब यह तूफान आया, तब अकेले मेरे श्रीगंगानगर जिले में करीबन दो लाख हैक्टेयर भूमि में जो फसलें खड़ी थीं, सारी फसलें तबाह हो गईं और करीबन एक हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है । 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यह तूफान आया था । मैंने राजस्थान के माननीय मुख्य मंत्री महोदय से भी पत्र लिखकर यह आग्रह किया है कि वहां एसडीआरएफ की एक टीम जाए, जो वहां सर्वे करे ।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि जो बीमा कंपनियां सही मुआवजा नहीं दे पाती हैं, वे सही मुआवजा दें और बहुत से किसानों की फसलें, जो 50 प्रतिशत से ज्यादा नष्ट हो गई हैं, क्योंकि किसान अपनी पूरी

मेहनत और लगन के साथ, खून-पसीने के साथ अपनी फसल को बोता है । जब फसल तैयार हुई, तब भयानक आंधी, तूफान आया । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि एनडीआरएफ की एक टीम वहां जाए और राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र का सर्वे कर के उसकी रिपोर्ट बनाकर संबंधित बीमा कम्पनी को सरकार आदेश दे कि किसानों को अधिक से अधिक बीमा दिया जाए, ताकि किसान आने वाली फसलों की तरफ ध्यान दे सके ।